पलामू प्रभात खबर

अशोका सेंटर और विकास सहयोग केंद्र पलामू ने आयोजित किया प्रशिक्षण

प्राकृतिक खेती की दी गयी जानकारी

प्रतिनिधि, नावाबाजार

अशोका सेंटर फॉर ए पीपुल-सेंट्रिक एनर्जी ट्रांजिशन, दिल्ली एवं विकास सहयोग केंद्र, पलामू की ओर से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान रजहारा कोलियरी से प्रभावित किसानों को कृषि आधारित आजीविका से जुड़ी तकनीकें सिखायी गयी.

बागवानी और सब्जी उत्पादन पर विशेष सत्र : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के जोनल रिसर्च स्टेशन, चियांकी के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश ने बागवानी एवं सब्जियों के इंटीग्रेटेड मॉडल की जानकारी दी. वहीं प्रखंड तकनीकी प्रबंधक संजय कुमार ने किसानों को सरकार की विभिन्न योजनाओं और लाभकारी कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करायी.

40 किसानों ने लिया प्रशिक्षण : प्रशिक्षण में रजहारा सोलर सिंचाई संघ और रजहारा कोल माइन रिहैबिलिटेड फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से जुड़े लगभग 40 किसानों ने हिस्सा लिया. इनमें कंचन कुमारी, माया कुमारी, नेपूरी देवी, ललिता देवी, ज्योति कुमारी, विजय सिंह, सचिन कुमार, राजा कुमार साव, वीरेन्द्र कुमार, लालमुनी देवी सहित कई किसान शामिल थे.

उन्नत बीज व प्राकृतिक खेती पर जोर

प्रशिक्षण का संचालन आकांक्षा सिंह ने किया. वैज्ञानिक डॉ शकीलुर रहमान ने किसानों को उन्नत बीज के उपयोग और स्थानीय बीज तैयार करने के तरीके बताये. वहीं देवेंद्र सिंह ने प्राकृतिक खेती के लाभ और रासायनिक खाद एवं दवाओं के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला. उन्होंने जीवामृत और बीजामृत बनाने की विधि समझाई और किसानों को इसके उपयोग की सलाह दी. साथ ही दलहनी फसल और फसल चक्र के जरिए मिट्टी की उर्वरता बनाये रखने की जानकारी दी.

क्लाइमेट चेंज से निबटने का मॉडल

रांची नेशनल कोलिशन फॉर नैचुरल फार्मिंग से आये कुलदीप बड़ाइक ने किसानों को मल्टीलेयरिंग फार्मिंग आजीविका मॉडल के बारे में बताया. उन्होंने समझाया कि यह मॉडल किसानों को सालभर आय देने में मददगार होगा और जलवायु परिवर्तन के असर से निबटने का एक सशक्त उपाय है.

दिया हैं।

'सुमन' एवं सुरेश विद्यार्थी सम्मानित

''समर्पण' अतिथियों का स्वागत करेंगे।

कृषि आधारित आजीविका पर दो द्विसीय प्रशिक्षण

उत्कल मेल संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : रजहरा कोलियरी से प्रभावित किसानो का कृषि आधारित आजीविका पर ग्राम रजहारा में 9 एवं 10 अक्टूबर 2025 को अशोका सेंटर फॉर ए पीपुल सेंट्रिक एनर्जी ट्रांजिसन, दिल्ली एवं विकास सहयोग केंद्र, पलामू के द्वरा प्रशिक्षण आयोजित किया गया. . इस प्रशिक्षण में विकास सहयोग केंद्र के साथ काम करने वाले बैज्ञानिक डॉ शकिलउर रहमान ने उन्नत बीज के बारे में जानकरी दी और किसानो को अपने से स्थानीय बीज तैयार करने को कहा. देवेन्द्र सिंह ने किसानो को प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दिया और रसायानिक खाद एवं दवा के दुष्प्रभाव के बारे में बताया. उन्होंने जीवामृत एवं बीजामृत बनाने के तरीके बताये और किसानो को इसका प्रयोग करने को कहा और दलहनी फसल एवं फसल चक्र के माध्यम से मृदा स्वस्थ्य को ठीक रखने के बारे में बताया. रांची नेशनल कोलिशन फॉर नैचुरल फार्मिंग से आये कुलदीप बड़ाईक ने सालो भर आमदनी एवं क्लाईमेट चेंज के असर से निपटने के लिए मल्टीलेयरिंग फार्मिंग आजीविका मॉडल के बारे में बताया और इस मॉडल में जमीन के नीचे कन्द, उसके ऊपर टमाटर , बैगन मूली , साग एवं बाउन्डरी पर निम्बू पपीता जैसे फल एवं लतर वाली सब्जी लगाकर 15 डिसमिल के प्लाट में प्रतिवर्ष 60-70 हजार की आमदनी का तरीका बताया. बिरसा कृषि विश्व विद्यालय के जोनल रिसर्च स्टेशन चियांकी के कृषि वैज्ञानिक डॉ अखिलेश ने वागवानी एवं सब्जी के इन्टेग्रेटेड मॉडल के बारे में विस्तृत जानकारी दी. प्रखंड तकनिकी प्रबंधक संजय कुमार के द्वारा कृषि सम्बंधित किसानो को दिए जाने वाले योजना एवं लाभ के बारे में बताया गया.

इस प्रशिक्षण में रजहारा सोलर सिचाई संघ, रजहारा कोल माइन रेहैबलीटेड फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से सम्बन्ध कंचन कुमारी, माया कुमारी, नेपूरी देवी, ललिता देवी, ज्योति कुमारी , विजय सिंह, सचिन कुमार, राजा कुमार साव, बिरेन्द्र कुमार, लालमुनी देवी सहित 40 किसान भाग लिए. प्रशिक्षण का संचालन अशोका सेंटर फॉर ए पीपुल सेंट्रिक एनर्जी ट्रांजिसन के आकाक्षा सिंह ने किया.